शेल्टन को हराकर ज्वेरेव ने पहली बार जीता यूएस ओपन

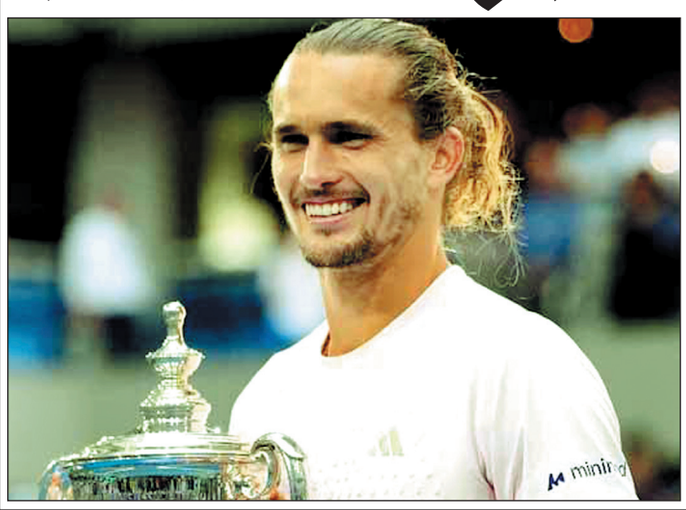

चार सेट तक चला मुकाबला, जर्मन स्टार ने 6-3, 7-6, 5-7, 6-2 से दर्ज की जीत

नवभारत न्यूज नेटवर्क

न्यूयॉर्क, 14 सितम्बर. जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन को हराकर पहली बार यूएस ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया.

हार्ड कोर्ट पर खेले गए फाइनल में ज्वेरेव ने चार सेट तक चले मुकाबले में शेल्टन को 6-3, 7-6 (7-2), 5-7, 6-2 से शिकस्त दी.दोनों खिलाड़ियों के बीच यह मुकाबला तीन घंटे 33 मिनट तक चला.

03 घंटे 33 मिनट चला खिताबी मुकाबला

ज्वेरेव ने शुरुआत से ही मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी और पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया. यह ज्वेरेव का करियर का पहला यूएस ओपन और दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है. इससे पहले उन्होंने 2026 फ्रेंच ओपन जीतकर अपना पहला बड़ा खिताब हासिल किया था.खास बात यह है कि 2020 में भी ज्वेरेव यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन तब उन्हें डोमिनिक थिएम के हाथों हार का सामना करना पड़ा था.शेल्टन के खिलाफ इस जीत के साथ ज्वेरेव ने अपने आमने-सामने के रिकॉर्ड को 6-0 कर लिया.

दूसरे सेट में शेल्टन ने कड़ी चुनौती पेश की

लेकिन ज्वेरेव ने टाईब्रेक में 7-2 से बाजी मारकर बढ़त 2-0 कर ली. शेल्टन ने तीसरे सेट में वापसी करते हुए 7-5 से जीत दर्ज की और मुकाबले को रोमांचक बना दिया. हालांकि, चौथे सेट में ज्वेरेव ने फिर से अपना दबदबा कायम किया और 6-2 से सेट जीतकर खिताब पक्का कर लिया.

एक नजर में

शेफाली को जिम्मेदारी लेते देख अच्छा लगा

नई दिल्ली. शेफाली को जिम्मेदारी लेते देख अच्छा लगा : हरमनप्रीत दुबई.भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला एशिया कप की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाने वाली सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की सराहना की है.भारत की सलामी बल्लेबाजों शेफाली और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 129 रन जोड़े, जो महिला टी-20 एशिया कप में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है.मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा, शेफाली का टूर्नामेंट शानदार रहा और किसी खिलाड़ी को इस तरह जिम्मेदारी लेते हुए और बल्ले व गेंद दोनों से काम करते हुए देखना अच्छा है.मैं उनसे और कुछ नहीं मांग सकती.हमने अपने लिए कुछ बहुत ऊंचे मानक तय किए थे और हमें हर दिन उन पर खरा उतरना था.

भारतीय महिला टीम ने जीता एशिया कप

दुबई. भारतीय टीम ने रिकॉर्ड आठवीं बार महिला एशिया कप खिताब की जीत का अंत पिछले साल जैसे ही दृश्यों के साथ हुआ.हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम को रविवार रात न तो टूर्नामेंट के पदक दिए गए और न ही ट्रॉफी.मैच के बाद अवार्ड समारोह में करीब 50 मिनट की देरी हुई.पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख और पाकिस्तान के गृह मंत्री होने के साथ ही एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष का भी पद देख रहे मोहसिन नक़वी भी समारोह में मौजूद थे.इससे पहले उपविजेता श्रीलंका की खिलाड़ियों को पदक दिए गए, लेकिन उसके बाद समारोह अचानक ख़त्म कर दिया गया. टूर्नामेंट का पुरस्कार समारोह शुरू होने के इंतजार के दौरान भारतीय टीम ने सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररण के लिए अपना स्वयं का पदक समारोह किया.यह पदक फ़ील्डिंग कोच शुभदीप घोष ने दिया.भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने नंदनी शर्मा को पदक प्रदान किया, जबकि उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी इस दौरान मौजूद थे.

टीम के क्षेत्ररक्षण में सुधार की गुंजाइश : मजूमदार

दुबई. महिला एशिया कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य अनमोल मजूमदार ने कहा कि वह टीम के प्रदर्शन से खुश है लेकिन क्षेत्ररक्षण के में सुधार की गुंजाइश है. महिला एशिया का खिताब जीतने के बावजूद भारतीय टीम के पास दिखाने के लिए ट्रॉफी नहीं है भारत ने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मुकाबले में पांच कैच छोड़े और कुछ मौकों पर विकेटों के बीच दौड़ भी अच्छी नहीं रही. मैच के बाद भारत की क्षेत्ररक्षण में हुई चूकों के बारे में पूछे जाने पर मजूमदार ने कहा, 'एक कोच के तौर पर देखें तो यह अच्छी बात है कि हमारे पास काम करने के लिए कुछ है, है ना मुझे लगता है कि खेल के कई ऐसे पहलू हैं, जिन पर हम अपने कैंप में बहुत ध्यान देते हैं हम इसमें बहुत मेहनत करते हैं एशिया कप से पहले क्षेत्ररक्षण पर काफी जोर दिया गया था इस टूर्नामेंट से पहले हुए शिविर में फिटनेस का भी अच्छी तरह ध्यान रखा गया और विकेटों के बीच दौड़ पर भी काम किया गया इसलिए हां, हम उन पहलुओं पर बहुत मेहनत कर रहे हैं, जिनमें हमें लगता है कि सुधार की काफी गुंजाइश है और हम आगे बढ़ते रहेंगे हम किसी भी टूर्नामेंट के बाद संतुष्ट नहीं होते जैसे ही एक टूर्नामेंट ख़त्म होता है, हम अगले टूर्नामेंट की ओर देखना शुरू कर देते हैं '. टूर्नामेंट में भारत ने लगातार पांच जीत के साथ अपना अभियान खत्म किया.

कुश्ती का जुनून : जापान जाकर सीखी नई तकनीक

सोनपत. चार दशक से कुश्ती की दुनिया में सक्रिय कुलदीप सिंह के लिए कोचिंग सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि लगातार सीखते रहने का जुनून है सोनपत के रायपुर अखाड़े में 250 से ज्यादा पहलवानों को तैयार करने वाले कुलदीप ने अपने खिलाड़ियों को बेहतर बनाने के लिए वह भी किया, जो आम तौर पर किसी कोच से अपेक्षित नहीं होता जब भारत में तकनीकी जानकारी और प्रशिक्षण सामग्री की कमी महसूस हुई तो वह 2010 के शुरुआती वर्षों में अकेले जापान पहुंच गए मकसद था यह समझना कि जापानी पहलवान प्रशिक्षण में क्या अलग करते हैं. जापान की प्रशिक्षण पद्धति और दिनचर्या ने उन्हें प्रभावित किया लौटकर उन्होंने वहां सीखी चीजों को अपने प्रशिक्षण में शामिल किया उनका मानना है कि दुनिया तेजी से बदल रही है और यदि कोच खुद सीखना बंद कर दे तो उसके खिलाड़ी भी पीछे रह जाएंगे यही सोच उनके शिष्यों को भी प्रभावित करती है नितेश सिवाच उन्हें ऐसा कोच बताते हैं, जो हर नए प्रतिद्वंद्वी के लिए पहले से रणनीति तैयार रखता हैकुलदीप ने 1982 में फ्रीस्टाइल पहलवान के रूप में शुरुआत की और कई राष्ट्रीय पदक जीते 28 साल की उम्र के बाद ग्रीको-रोमन कुश्ती अपनाई और फिर कोचिंग को अपना रास्ता बनाया उनके प्रशिक्षण से भारत के ग्रीको-रोमन विश्व चैंपियनशिप के एकमात्र पदक विजेता संदीप तुलसी यादव ने 2013 में कांस्य जीता 2023 एशियाई खेलों में सुनील कुमार के कांस्य पदक के समय भी कुलदीप उनके कोने में मौजूद थे.

पाथिरागे ने 91 मीटर के थ्रो से जीता खिताब

चौथे प्रयास में 91.09 मीटर का शानदार थ्रो

पीटर्स 86.18 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर

सीजन में तीसरी बार 90 मीटर पार किया

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 14 सितंबर. श्रीलंका के भाला फेंक खिलाड़ी रुमेश पाथिरागे ने एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन से जैवलिन की दुनिया में हलचल मचा दी है.

बुडापेस्ट में आयोजित अल्टीमेट चैंपियनशिप में पाथिरागे ने 91.09 मीटर का थ्रो फेंककर खिताब अपने नाम कर लिया.लगातार 90 मीटर से ज्यादा के थ्रो के कारण वह भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों में शामिल हो गए हैं.पाथिरागे ने हाल ही में ब्रुसेल्स डायमंड लीग में भी खिताबी जीत दर्ज की थी.

अल्टीमेट चैंपियनशिप में पाथिरागे की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही.पहले प्रयास में वह सिर्फ 75.89 मीटर भाला फेंक सके और पांचवें स्थान पर रहे.दूसरे प्रयास में उन्होंने 85.69 मीटर का थ्रो किया, जबकि तीसरे प्रयास में 87.11 मीटर के साथ बढ़त हासिल कर ली.

चौथे प्रयास में पाथिरागे ने पूरी ताकत झोंकते हुए 91.09 मीटर का थ्रो किया और बाकी खिलाड़ियों से करीब पांच मीटर की बढ़त बना ली.इसके बाद कोई भी खिलाड़ी उन्हें पीछे नहीं छोड़ सका.जर्मनी के जूलियन वेबर ने 85.89 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता, जबकि एंडरसन पीटर्स 86.18 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे.पाथिरागे का मौजूदा सत्र बेहद शानदार रहा है.उन्होंने जून में रोम में 92.62 मीटर का थ्रो किया था, जो इतिहास के आठवें सर्वश्रेष्ठ थ्रो में शामिल है.इसके बाद अगस्त में ज्यूरिख में उन्होंने 92.07 मीटर भाला फेंका.

ट्रॉफी लेने से इनकार पर बीसीसीआई ने खोला राज

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली , 14 सितम्बर. एशिया कप की ट्रॉफी जीतने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम के पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं होने और एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं लेने के मामले में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अपनी स्थिति साफ कर दी है.

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि यह फैसला अचानक नहीं लिया गया, बल्कि देश में मौजूदा परिस्थितियों और जनभावनाओं को ध्यान में रखकर पहले से सोच-समझकर लिया गया संस्थागत निर्णय था.बोर्ड ने टूर्नामेंट से पहले ही एसीसी को अपनी स्थिति से अवगत करा दिया था कि ऐसी परिस्थितियों में भारतीय टीम प्रस्तावित तरीके से पुरस्कार वितरण समारोह में हिस्सा नहीं लेगी. दुबई में खेले गए महिला टी20 एशिया कप के फाइनल में भारत ने श्रीलंका को हराकर रिकॉर्ड आठवीं बार खिताब अपने नाम किया. इसके बाद नकवी चैंपियन टीम को ट्रॉफी देने पहुंचे थे, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने उनके हाथ से ट्रॉफी स्वीकार नहीं की.

मीराबाई चानू के सामने एशियाड पदक की चुनौती

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नागोया, 14 सितंबर. ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप में देश का नाम रोशन कर चुकीं मीराबाई चानू के पदकों के संग्रह में एशियाई खेलों का पदक गायब है.

आइची-नागोया एशियाई खेलों में वह इस कमी को पूरा करने के लिए चौथी बार चुनौती पेश करेंगी हालांकि, 49 किलोग्राम भारवर्ग में उनके सामने राह आसान नहीं होगी उत्तर कोरिया की दो बार की मौजूदा एशियाई खेल चैंपियन और विश्व रिकॉर्डधारी रि सोंग-गम स्वर्ण की सबसे बड़ी दावेदार हैं.

अमृतसर बना शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग चैंपियन

08 विकेट से लुधियाना लायंस को हराया

142 रन का लक्ष्य 18 ओवर में किया हासिल

नवभारत न्यूज नेटवर्क

मोहाली , 14 सितम्बर. अमृतसर सूरमाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लुधियाना लायंस को आठ विकेट से हराकर शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग का खिताब अपने नाम कर लिया.

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी अमृतसर की टीम ने लुधियाना के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया.लुधियाना की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 142 रन ही बना सकी.एक समय उसका स्कोर सात विकेट पर 86 रन था.अमृतसर की ओर से मयंक मर्कंडे ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 17 रन देकर तीन विकेट लिए.

लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमृतसर सूरमाज की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही.टीम ने जशनप्रीत सिंह का विकेट जल्दी गंवा दिया.इसके बाद नमन धीर और सहज धवन ने मोर्चा संभाला.दोनों ने तेजी से रन जुटाते हुए 58 रन की साझेदारी की और टीम को दबाव से बाहर निकाल दिया. धीर ने महज 12 गेंदों में 29 रन की तेजतर्रार पारी खेली.धीर के आउट होने के बाद सहज धवन ने राहुल कुमार के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया.दोनों ने बिना किसी और नुकसान के टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया और अमृतसर सूरमाज ने खिताब पर कब्जा कर लिया.

19 से जापान में होंगे एशियाई खेल

एशिया में पहली बार उतरेंगे भारत के ये पांच सितारे

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली , 14 सितम्बर. एशियाई खेल 2026 का आगाज 19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में होने जा रहा है.भारत इस बार 35 खेलों में 503 खिलाड़ियों के दल के साथ चुनौती पेश करेगा.इनमें कई अनुभवी खिलाड़ी हैं, तो कुछ ऐसे युवा सितारे भी हैं जो पहली बार एशियाड के मंच पर उतरेंगे.

इन खिलाड़ियों से भारत को पदक की उम्मीद है और प्रतियोगिता के दौरान इनका प्रदर्शन खास तौर पर निगाहों में रहेगा. भाला फेंक में नीरज चोपड़ा की गैरमौजूदगी के बीच रोहित यादव पर भारत की उम्मीदें रहेंगी.रोहित का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 87.68 मीटर है.हालिया भारतीय एथलेटिक्स सीरीज के फाइनल में भी उन्होंने 81.10 मीटर का थ्रो कर पहला स्थान हासिल किया था.

निशानेबाजी में 19 वर्षीय सुरुचि फोगाट पदक की मजबूत दावेदार हैं.10 मीटर एयर पिस्टल में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर चुकीं सुरुचि ने 2026 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है. महिला मुक्केबाजी में साक्षी चौधरी से स्वर्ण पदक की उम्मीद है.उन्होंने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था और अब एशियाई खेलों में अपने पदक का रंग बदलने के इरादे से उतरेंगी. कुश्ती में सुजीत कलकल अपनी आक्रामक शैली के दम पर पदक की दावेदारी पेश करेंगे.

761 अंतरराष्ट्रीय विकेट वाला दिग्गज बनेगा दिल्ली का गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली. आईपीएल 2027 से पहले दिल्ली कैपिटल्स के कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव होने जा रहा है. श्रीलंका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज चामिंडा वास को टीम का नया गेंदबाजी कोच बनाया जाएगा, जबकि भारत के पूर्व लेग स्पिनर अमित मिश्रा भी कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगे. रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों ने दिल्ली में टीम की अकादमी के खिलाड़ियों के साथ काम करना भी शुरू कर दिया है. वास का अनुभव दिल्ली के गेंदबाजी आक्रमण को नई धार देने में अहम माना जा रहा है. दिल्ली कैपिटल्स के नए कोचिंग ढांचे में पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे.

शीतल देवी ने शूट-ऑफ में जीता गोल्ड मेडल

वर्ल्ड आर्चरी पैरा में भारत का शानदार प्रदर्शन

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 14 सितम्बर. मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन शीतल देवी ने रोमांचक शूट-ऑफ में शानदार संयम दिखाते हुए पैरा कंपाउंड महिला व्यक्तिगत स्पर्धा का गोल्ड मेडल अपने नाम किया.

उनकी अगुआई में भारत ने बुधवार को वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज स्टेज-III का शानदार अंदाज में समापन करते हुए अंतिम दिन 2 गोल्ड और 4 ब्रॉन्ज सहित कुल 6 मेडल जीते.

वर्ल्ड नंबर 1 शीतल का कजाकिस्तान की आइजादा सेइदान के साथ कड़ा मुकाबला हुआ.दोनों तीरंदाजों ने अपने शुरुआती राउंड में परफेक्ट 30 स्कोर किए और दूसरे राउंड के बाद स्कोर 59-59 से बराबरी पर था. तीसरे राउंड में, आइजादा ने 28 और शीतल ने 27 स्कोर किए, जिससे आइजादा को एक प्वाइंट की बढ़त मिल गई.चौथा राउंड 29-29 पर बराबरी पर छूटा, जिससे भारतीय खिलाड़ी अंतिम राउंड में एक प्वाइंट्स से पीछे थीं. शीतल ने दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 29 स्कोर किए, जबकि आइजादा ने 28 स्कोर किया.

भारतीय तीरंदाज को रोमांचक जीत मिली

इससे स्कोर 144-144 से बराबर हो गया और मुकाबला शूट-ऑफ में चला गया. आखिरकार, भारतीय तीरंदाज को रोमांचक जीत मिली.गोल्ड मेडल दांव पर था और शीतल ने परफेक्ट 10 स्कोर किया, जबकि आइजादा सिर्फ 9 ही स्कोर कर पाईं. इससे पहले, शीतल ने टोमन कुमार के साथ कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता था और इस गोल्ड मेडल के साथ उन्होंने इस इवेंट में दो मेडल अपने नाम किए. शीतल और टोमन ने ब्रॉन्ज मेडल मैच में इराक की सारा अल हामिद और अब्बास कादिम को 157-145 से हराया.भारतीय जोड़ी ने पहले तीन राउंड में से हर एक में 39 और आखिरी राउंड में परफेक्ट 40 स्कोर किए, और चार राउंड में सिर्फ तीन प्वाइंट्स गंवाए.

टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरा टी-20 आज

सीरीज जीतने उतरेगा भारत

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली , 14 सितम्बर. अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में 1-0 से आगे चल रही भारतीय टीम मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम में दूसरा मुकाबला खेलने उतरेगी.

भारत की नजर इस मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर होगी, वहीं अफगानिस्तान के लिए मुकाबला करो या मरो का होगा.पहले मैच में सात विकेट से मिली शानदार जीत के बाद भारतीय टीम आत्मविश्वास से भरी है और दूसरे मुकाबले में युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की संभावित वापसी पर भी सभी की नजरें रहेंगी.

पहले टी-20 में भारत की बल्लेबाजी ने अफगानिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण को पूरी तरह दबाव में डाल दिया था.अभिषेक शर्मा ने सिर्फ 32 गेंदों में 82 रन की तूफानी पारी खेलकर मुकाबले का रुख बदल दिया.इसके बाद इशान किशन ने 33 गेंदों में 42 रन बनाकर टीम को महज 13.4 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया.

अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 41 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे, लेकिन अजमतुल्लाह ओमरजई के नाबाद 64 और मोहम्मद नबी के 33 रन की पारियों से टीम 156 रन तक पहुंची थी. दूसरे मैच में सूर्यवंशी की वापसी से भारत का शीर्ष क्रम और आक्रामक हो सकता है.उन्हें मौका मिलता है तो संजू सैमसन को बाहर बैठना पड़ सकता है.सूर्यवंशी और अभिषेक की जोड़ी पावरप्ले में तेजी से रन बनाने का विकल्प देगी. हालांकि भारत के लिए चुनौती आक्रामकता और अनुशासन के बीच संतुलन बनाए रखने की होगी.

CMYK